

सुप्रभात

रांची, बुधवार

11.06.2025

नगर संस्करण। पेज : 12



khabarmantra.net

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, संवत् 2082



मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 12 | अंक : 326 | 06 किसानों को सरकार बनाना ही सरकार का उद्देश्यः गोदी



## Sarala Birla University



Supported By



& 20+  
National MoUs

**CREATING GLOBAL LEADERS  
For Social & Economic Change...!**

### Programs Offered

- ENGINEERING & COMPUTER SCIENCE**

Diploma • B.Tech • M.Tech

Specialization - CSE • ME • CE • EEE • ECE • Electronics & Computer Engineering

BCA • MCA

- BUSINESS MANAGEMENT**

BBA • BBA in Stock broking & Portfolio Management  
MBA

- HUMANITIES AND LINGUISTICS**

BA • MA

Specialization - English • Sanskrit

- COMMERCE**

B.com

Specialization- Accounts • E-Commerce • Taxation  
M.com

- LEGAL STUDIES**

BA LLB • BBA LLB • B.Com LLB • LLB • LLM

- JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION**

BA • MA

- YOGIC SCIENCE AND NATUROPATHY**

Diploma • B.Sc • M. Sc

- APPLIED SCIENCES**

B.Sc Mathematics • M. Sc Data Science

- SOCIAL SCIENCES**

BA • MA

Specialization - Economics

- ART, CULTURE & SPORTS**

BA • MA

Specialization - Music • Dance • Drama • Fine Arts

- PHARMACY**

D.Pharma • B.Pharma

- NURSING, CLINICAL TECHNOLOGY & PUBLIC HEALTH**

ANM • GNM • B.Sc. Nursing

### Admission Helpline

**1800 890 6077**

**5000+**  
Students

**65+**  
Programs

**In Campus Hostel**  
For Boys & Girls

**Upto 50% Scholarship**  
Under Merit/Sports Quota

**60 Acres**  
World Class Infrastructure

**100%**  
Placement Support

**50+**  
Skill Enhancement Certificates

**100+**  
Companies visited for Placement

Scan Here to Register

**SARALA BIRLA UNIVERSITY**

Birla Knowledge City, PO. Mahilong, Purulia Road, Ranchi, Jharkhand,  
India - 835103

1800 890 6077 / +91 95251 10001

admissions@sbu.ac.in

<https://sbu.ac.in>











## जनगणना जरूरी

**दे** श की जनगणना दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में देश के पहाड़ी इलाकों में सलान जमू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश की जनगणना का काम 1 अक्टूबर, 2026 तक पूरा किया जाएगा। दूसरा चरण जिसे 1 मार्च, 2027 तक पूरा किया जाना चाहिए है उसमें देश के बाकी हिस्सों की जनगणना की जाएगी। जनगणना का काम मूलतया 2021 में होना था। शुरूआत में इसे कोरिड-19 महामारी के कारण टाला गया। यह जनगणना 16 वर्षों के अंतराल पर होने जा रही है और इसमें स्वतंत्रता के पश्चात पहली बार विस्तृत जाति जनगणना के आंकड़े भी शामिल किए जाएंगे। इससे पहले अंतिम जाति जनगणना 1931 में की गई थी। भारत जैसे तेजी से विकसित होते देशों में दशकोंतक जनगणना अव्याधिक महत्वपूर्ण है। लंबे अंतराल को देखते हुए 2027 की जनगणना के आंकड़ों की उत्पुक्ता से प्रतीक्षा होगी। पिछली जनगणना के बाद से देश काफी बदल चुका है। उदाहरण के लिए देश का सकल घेरे उत्पाद जो 2011 की जनगणना में करीब 1.8 लाख करोड़ डॉलर था उसके 2027 तक 5 लाख करोड़ डॉलर का आंकड़ा पार कर जाने का अनुमान है। देश में शहरीकरण की गति भी तेज हुई है। जो नियतियां बनाई जाती हैं, वे अब उन्हें विश्वसनीय नहीं हो जाती हैं। कारोबार की तरफ करें तो जिस विक्री को ग्रामीण माना जा रहा है और उस मद में डाला जा रहा है उसका कुछ हिस्सा शहरी हो सकता है। ऐसे में जनगणना स्पष्टता लाने में मदद करेगी। इसके अलावा यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि आबादी का वास्तविक आकार क्या है। इसके बारे में अनुमान है कि यह चीज से अधिक हो चुकी है और हमारा देश दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला मुल्क हो गया है।

आजका  
राजिपाल

संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कराऊर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-समान बढ़ेगा। यात्रा का दूरापानी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही आबादी को फल-करते हैं। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुंगों का मान-समान रहा होगा। प्रियजनों से समान का अवसर मिलेगा। अवसरदू कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यवस्ता से सुख-आरम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथित के पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितीय समझों के बाले ही पीठ पीछे नुकसान पहचान की कोशिश करें। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। आय-व्यय की साथ-आरम होगा। शुभांक-3-7-9

वृथिक : मेहमानों का अगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतॄक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में हैं। पुरानी गलती का पश्चात होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दायर्त्य की जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। तें देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-समान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु : आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग आत्मविनान करें। उपरोक्त मिलेगा। स्वास्थ्य के लिए देश के लिए दूर हो रहे। स्वास्थ्य में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रमिकों की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक, चिंता, संतान का कष्ट, अपव्यव के कारण बर्बाद। भ्रातृपक्ष में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवान तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। 'आगे-आगे गैरुख जानो' वाली कहावत चरित्रित होगी। मेहमानों का अगमन होगा। परियाजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पर्यंत नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर होना ही बुद्धिमानी होगी। तें देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-टैंडर होंगे। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-8

बुध : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पर्यंत नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर होना ही बुद्धिमानी होगी। तें देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-4-6-8

गोंद : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मार नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण साक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व स्वास्थ्य में ध्यान देने से सफलता मिलेगा। विशिष्ट जानों से मलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

मौर्य : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मार नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण साक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व स्वास्थ्य में ध्यान देने से सफलता मिलेगा। विशिष्ट जानों से मलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

\*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदाता। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

## अभियान

## भारतीय किसानों को सशक्त बनाना ही सरकार का उद्देश्य: मोदी

किसानों की आय बढ़ाना, खेती की लागत कम करना, बीज से लेकर बाजार तक किसानों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था और संस्कृति के केंद्र में है, जो लाखों लोगों को आजीविका प्रदान करती है और देश की पहचान को आकार देती है। पिछले ग्यारह वर्षों में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत के कृषि क्षेत्र में एक गहरा परिवर्तन आया है, जो बीज से बाजार तक (सीड टू मार्केट) के दर्शन पर आधारित है।

यह परिवर्तन समावेशिता को बढ़ावा देता है, छोटे किसानों, महिलाओं के नेतृत्व वाले सम्प्रभुओं और संबद्ध क्षेत्रों का समर्थन करता है, जबकि भारत को वैश्विक कृषि नेता बनाता है। किसान नीति का केंद्र बन गया है, जिसमें आय सुरक्षा, सिंचान और सुखदता सुनिश्चित करने वाला एक संक्रिया, प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोण है।

आधुनिक सिंचाई और ब्रून पहुंच से लेकर डिजिटल बाजारों और कृषि-तकनीक नवाचारों तक, भारत स्मार्ट खेती को अपना रहा है और बाजार की खाड़ी और प्राकृतिक प्रथाओं को पुनर्जीवित कर रहा है। डेंगरी और मर्स्या पालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों की फल-फल रहे हैं, जिससे ग्रामीण समृद्धि और जलवायु-स्पार्ट कृषि को बढ़ावा मिल रहा है। सबसे बढ़कर, मानवसंकाज बढ़ावा देता है जो लाभ भारत के विकास के प्रमुख हितधारकों और चालकों के रूप में पहचाना जाता है। जैसे-जैसे भारत अमृत काल में प्रवेश कर रहा है, इसके सशक्त किसान देश को खाद्य सुरक्षा से लेकर वैश्विक खाद्य बढ़ावा देता है। अब आवादी के लिए तैयार है।

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में है, जो खाड़ी और ब्रून पहुंच से लेकर डिजिटल बाजारों और कृषि-तकनीक नवाचारों तक, भारत स्मार्ट खेती को अपना रहा है और बाजार की खाड़ी और प्राकृतिक प्रथाओं को पुनर्जीवित कर रहा है। डेंगरी और मर्स्या पालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों की फल-फल रहे हैं, जिससे ग्रामीण समृद्धि और जलवायु-स्पार्ट कृषि को बढ़ावा मिल रहा है। सबसे बढ़कर, मानवसंकाज बढ़ावा देता है जो लाभ भारत के विकास के प्रमुख हितधारकों और चालकों के रूप में पहचाना जाता है। जैसे-जैसे भारत अमृत काल में प्रवेश कर रहा है, इसके सशक्त किसान देश को खाद्य सुरक्षा से लेकर वैश्विक खाद्य बढ़ावा देता है। अब आवादी के लिए तैयार है।

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में है, जो खाड़ी और ब्रून पहुंच से लेकर डिजिटल बाजारों और कृषि-तकनीक नवाचारों तक, भारत स्मार्ट खेती को अपना रहा है और बाजार की खाड़ी और प्राकृतिक प्रथाओं को पुनर्जीवित कर रहा है। डेंगरी और मर्स्या पालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों की फल-फल रहे हैं, जिससे ग्रामीण समृद्धि और जलवायु-स्पार्ट कृषि को बढ़ावा मिल रहा है। सबसे बढ़कर, मानवसंकाज बढ़ावा देता है जो लाभ भारत के विकास के प्रमुख हितधारकों और चालकों के रूप में पहचाना जाता है। जैसे-जैसे भारत अमृत काल में प्रवेश कर रहा है, इसके सशक्त किसान देश को खाद्य सुरक्षा से लेकर वैश्विक खाद्य बढ़ावा देता है। अब आवादी के लिए तैयार है।

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में है, जो खाड़ी और ब्रून पहुंच से लेकर डिजिटल बाजारों और कृषि-तकनीक नवाचारों तक, भारत स्मार्ट खेती को अपना रहा है और बाजार की खाड़ी और प्राकृतिक प्रथाओं को पुन











